अग्रवाल महाविद्यालय में "स्वीप" के तहत मतदाता जागरूकता का आयोजन

आज दिनांक 10 सितम्बर 2019 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में जिला स्तरीय "स्वीप" कार्यक्रम विद्यार्थियों को मतदान जागरूकता हेतु आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वन्दना से किया गया । तत्पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के करकमलों से पौधा भेंटकर अतिथि सत्कार परम्परा का निर्वाहन किया गया । चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा जिला स्तरीय "स्वीप" (सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्ट्रोल पार्टीसिपेशन) कार्यक्रम का नोडल केन्द्र अग्रवाल महाविद्यालय को बनाया गया जिसमें आदरणीय ए.डी.सी. धर्मेन्द्र (आई.ए.एस.) जो स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भी हैं, महाविद्यालय में पधारे और अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को मतदान हेतु जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र प्रणाली में मतदान अधिकार ही नहीं कर्त्तव्य भी है और प्रत्येक नागरिक अपने इस कर्तव्य को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से अवश्य पूरा करें । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए चार सुन्दर पंक्तियाँ कहीं –

"वोट दो एक को,
वो भी किसी नेक को ।
ये कोई मंदिर का प्रसाद नहीं,

जो बाँट दो हर एक को ॥"

साथ ही साथ प्राचार्य जी ने कहा कि लोकतंत्र का महापर्व चुनाव है और इसमें प्रत्येक व्यक्ति को संजीदगी से सोच समझ कर वोट देना चाहिए आज ज़रूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकार व दायित्व का बोध हो तभी वह सरकार व व्यवस्था को बदल सकते हैं। वहीं आदरणीय प्रो. एम.पी.सिंह (चीफ वार्डन सिविल डिफेन्स) ने विद्यार्थियों को मतदान (वोट) बनवाने हेतु फार्म–6 व वेबसाईट, निर्वाचन क्षेत्र, विधानसभा क्षेत्र की जानकारी दी और कहा कि मतदान के प्रति उदासीनता रखने वालों को सरकार से सवाल करने का हक नहीं है। वहीं इस प्रोजेक्ट के समन्वयक आदरणीय दीपेन्द्र चौहान ने स्वीप कार्यक्रम की रूपरेखा सांझा की। इस अवसर पर आदरणीय श्री जे.एस.मलिक (डी.एस.ओ.) फरीदाबाद, जिला स्तरीय खेल अधिकारी, तहसीलदान, नायब तहसीलदार, संदीप कुमार और वीरेन्द्र बल्लहारा (ट्रैफिक व वोटर ताऊ) आदि स्वीप कार्यक्रम के सदस्यगण पधारें। इस सुन्दर अवसर पर महाविद्यालय टीम "बात्ती" ने मतदान विषय पर लघुनाटिका प्रस्तुत की। इस नाटिका के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने वोट की ताकत बताई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रेखा रानी, डॉ. सुप्रिया ढाँडा, डॉ. पूजा सैनी, डॉ. उषा चौधरी व खेल निरीक्षक डॉ. जगवीर व मुकुल का विशेष योगदान रहा।